अतारांकित प्रश्न क्र. - 2790
प्रश्नांश (इ) अनुसार [2790]

[6/8/2025]

परिशिष्ट-अ

प्रश्नांश (इ) का उत्तर

शिशु स्वास्थ्य

CAG रिपोर्ट में राज्य की खराब स्वास्थ्य सूचकांकों शिशु मृत्यु दर और बाल मृत्यु दर का उल्लेख तथ्यात्मक रूप में हैं। CAG की रिपोर्ट राज्य की मृत्यु दरों की स्थिति का उल्लेख तो करती हैं, जैसे कि मध्यप्रदेश की शिशु एवं बाल मृत्युदर में देश में प्रथम हैं, लेकिन मध्यप्रदेश में शिशु मृत्यु दर बढ़ने के पीछे केवल स्वास्थ्य सेवाओं की कमजोर गुणवत्ता और प्रबंधन ही नहीं, बल्कि कई अन्य सामाजिक और आर्थिक कारक भी जिम्मेदार हैं। सामाजिक और आर्थिक कारकों में गरीबी, मातृ शिक्षा की कमी, बाल विवाह, कुपोषण, कम उम्र में गर्भधारण और लिंग आधारित भेदभाव शामिल हैं, जो शिशु देखभाल को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करते हैं। दूरस्थ क्षेत्रों में सड़कों की अनुपलब्धता एवं संचार माध्यम नहीं होना एवं स्वच्छ पेयजल, सफाई और सैनिटेशन की कमी से डायरिया व संक्रमण जैसे रोग फैलते हैं। व्यवहारगत व सांस्कृति कारणों में पारंपरिक हानिकारक प्रथाऐं, प्रशिक्षत दाई के बिना प्रसव और टीकाकरण में लापरवाही भी गंभीर भूमिका निभाते हैं । प्रदेश की शिशु मृत्यु दर SRS 2008 के अनुसार 70 प्रति हजार जीवित जन्म से घटकर SRS 2022 के अनुसार 40 प्रति हजार जीवित जन्म हो गयी हैं। शिुश मृत्यु दर रोकने हेतु स्वास्थ्य विभाग द्वारा शासन स्तर से प्रसास किये जा रहें हैं ।

मातृ स्वास्थ्य

कैग रिपार्ट में राज्य में मातृ मत्यु दर का उल्लेख अध्याय 9 सतत् विकास लक्ष्य – 3 में है कि औसतन भारत ने आठ वर्षो में मातृ मृत्यु दर 2012 में 178 से घटाकर 2020 में 97 कर दिया, यानी 45.51 प्रतिशत, जबकि मध्यप्रदेश शासन उपरोक्त अवधि के दौरान इसे 230 से घटाकर 173 यानी 24.78 प्रतिशत ही कर पाई (कंडिका 9.2.1) केग रिपोर्ट में एसा उल्लेखित है। इस संदर्भ में लेख है कि कैग रिपोर्ट की अनुशंसा अनुसार राज्य शासन द्वारा मातृ मृत्यु दर को कम करने हेतु निष्ठा पूर्वक प्रयास किये जा रहे है परन्तु मातृ मृत्यु के अन्य सामाजिक कारक जैसे महिलाओं की शिक्षा का स्तर कम होना, बाल विवाह एवं कम उम्र में गर्भधारण, दो बच्चों के जन्म अंतराल में कमी, घरेलु हिंसा, महिलाओं का आर्थिक रूप से सशक्त ना होना एवं दुर्गम क्षेत्रों में परिवहन एवं नेटवर्क का अभाव आदि भी अप्रत्यक्ष रूप से मातृ मृत्यु के कारक होना संभव है।

एसआरएस 2020-22 की रिपोर्ट अनुसार मातृ मृत्यु दर 159 प्रतिलाख जीवित जन्म हुआ है जिससे परिलक्षित हुआ है कि मातृ मृत्यु दर में कमी आ रही है ।

अपर संचालक (वित्त)
संचालनालय स्वास्थ्य सेवाएँ म.प्र.